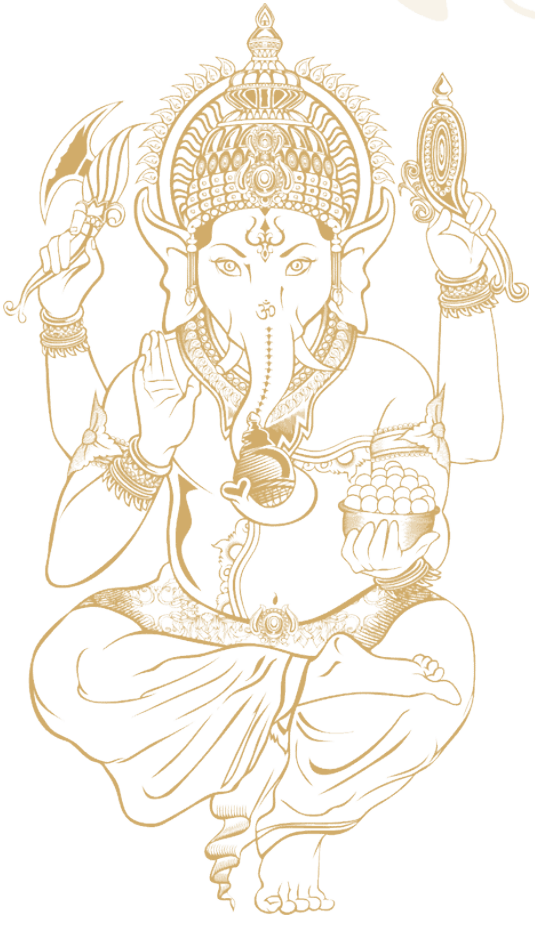

Aakash

Tanu priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121360003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/10/1993	जन्म तिथि	22/07/1997
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 15:30:00	जन्म समय	13:25:00 घंटे
घटी 24:30:25	जन्म समय(घटी)	20:26:18 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Samastipur
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	25:52:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	85:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	00:13:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:50	सूर्योदय	05:08:01
17:32:08	सूर्यास्त	18:38:11
23:46:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 0वर्ष 5मा 7दि	09:08:16	कुंभ	लग्न	तुला	24:35:23	मंगल 0वर्ष 3मा 11दि
राहु	18:24:13	कन्या	सूर्य	कर्क	05:43:35	गुरु
14/03/2011	09:01:48	वृष	चंद्र	कुंभ	06:07:52	02/11/2015
13/03/2029	11:52:13	तुला	मंगल	कन्या	22:40:35	02/11/2031
राहु 24/11/2013	11:54:43	तुला	बुध	कर्क	29:46:31	गुरु 20/12/2017
गुरु 19/04/2016	28:27:35	कन्या	गुरु व	मक	25:27:39	शनि 03/07/2020
शनि 24/02/2019	23:08:32	सिंह	शुक्र	सिंह	04:42:12	बुध 09/10/2022
बुध 12/09/2021	00:17:32	कुंभ व	शनि	मीन	26:26:44	केतु 15/09/2023
केतु 30/09/2022	10:21:20	वृश्चि व	राहु व	सिंह	27:00:27	शुक्र 16/05/2026
शुक्र 30/09/2025	10:21:20	वृष व	केतु व	कुंभ	27:00:27	सूर्य 04/03/2027
सूर्य 25/08/2026	24:28:49	धनु	हर्ष व	मक	13:10:19	चन्द्र 03/07/2028
चन्द्र 24/02/2028	24:36:34	धनु	नेप व	मक	04:43:04	मंगल 09/06/2029
मंगल 13/03/2029	00:02:04	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:08:13	राहु 02/11/2031

लग्न-चलित

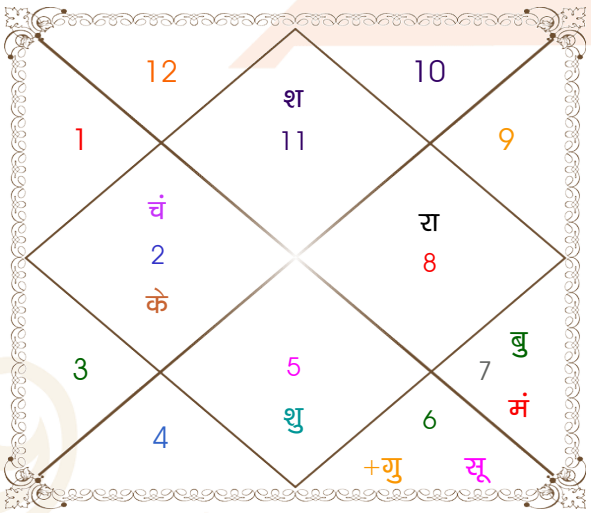

लग्न-चलित

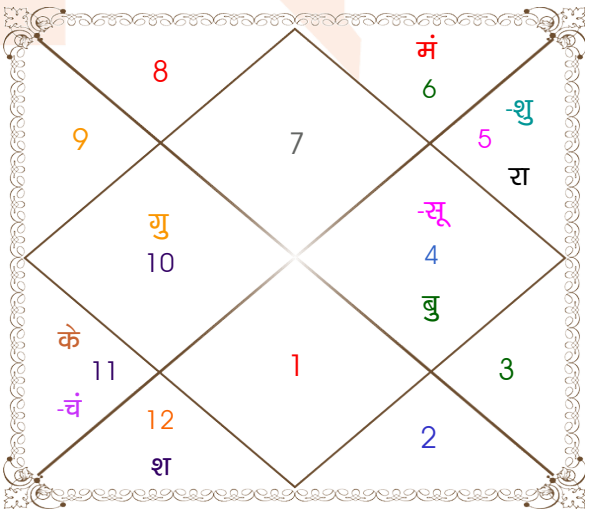

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

ीी का वर्ग गरूड़ है तथा ज्ंदन चतपलं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है। अष्टकूट मिलान के अनुसार ीी और ज्ंदन चतपलं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ीी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ज्ंदन चतपलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ज्ंदन चतपलं कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ीी तथा ज्ंदन चतपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।